>

Title: Regarding dilapidated condition of roads in Uttrakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपका ध्यान उत्तराखंड की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं, जहां लगातार वर्षा हो रही है। इस अतिवृष्टि से कई सड़कें टूट गयी हैं। सड़कों के टूटने से उत्तराखंड में सार्वजनिक वितरण प्रणाली ध्वस्त हो चुकी है। मैं बताना चाहूंगा कि वहां मूलभूत आवश्यक वस्तुं जैसे गेहूं, चावल, चीनी केरोसीन आयल, गैस सिलेंडर, सब्जियां और दूध लोगों को उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। वहां हाहाकार मचा हुआ है। वर्षा से वहां की सड़के बहुत टूट गयी हैं, जैसे बैंड-स्वारी ग्वांस मोटर मार्ग, तूना-बैंठा मोटर मार्ग, पूलन, बांगर और कोटेश्वर से संपर्क टूट गया है। वहां पेयजल की बहुत भयंकर समस्या पैदा हो गयी है। वैसे तो उत्तराखंड देश को पानी से तृप्त करता था, लेकिन आज वहां ऐसी स्थिति बन गयी है, जैसे पानी में मीन प्यासी।

पेयजल की समस्या बड़ी भयंकर बन गई है, मोबाइल काम नहीं कर रहे हैं और जनसम्पर्क पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि शीघ्र ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली को दुरुस्त किया जाए और वहां के निवासियों को आवश्यक वस्तुं प्रदान की जाएं।